॥ ॐ श्रीपरमात्मने नमः ॥

परमश्रद्धेय श्रीस्वामीजी महाराजकी पुस्तकोंके

प्रथम संस्करण

विक्रम-संवत्

१९९९ भगवत्तत्त्व।

२००५ गीताका विषय-दिग्दर्शन।

२०१० जीवनका कर्तव्य।

२०२५ गीता-ज्ञान-प्रवेशिका।

२०२७ साधन-रहस्य [एकै साधे सब सधै]। जीवनोपयोगी कल्याण-मार्ग।

२०२८ भक्त और आदर्श सन्तान कैसे हो?

२०२९ कल्याणकारी सुगम मार्ग (प्राप्त सामर्थ्यका सदुपयोग)।

२०३० गीताका भक्तियोग।

२०३१ गीता-परिचय।

२०३४ यथार्थ मान्यतासे कल्याण।

२०३५ गीताका ज्ञानयोग। भगवत्प्राप्तिके लिये भविष्यकी अपेक्षा नहीं। जीवनका सत्य।

२०३६ शान्ति-पथ। हरि बिनु रह्यो न जाय।

२०३७ कल्याणकारी प्रवचन। भगवत्प्राप्तिकी सुगमताका रहस्य।

२०३८ तात्त्विक प्रवचन। शरणागतिका रहस्य।

२०३९ भगवान्‌से अपनापन। कल्याणकारी प्रवचन, भाग-२। भगवन्नाम। गीताकी सम्पत्ति और श्रद्धा। गीताका सार। गीताका भक्तियोग (नवीन संस्करण)। मनकी खटपट कैसे मिटे? माँ-बापका कर्जा। गीताका सारभूत श्लोक [शरणागति]।

२०४० गीताका कर्मयोग। जीवनोपयोगी प्रवचन। सुन्दर समाजका निर्माण। मानसमें नाम-वन्दना। नित्यस्तुति (मार्मिक प्रवचन एवं ग्रहण-त्यागके नियम)। परमात्मासे मिलन सहज है।

२०४१ गीताकी विभूति और विश्वरूप-दर्शन। गीताकी राजविद्या। गीताका ध्यानयोग। गीताका आरम्भ। सत्संगकी विलक्षणता। हम यहाँके नहीं हैं।

२०४२ **गीता-साधक-संजीवनी। गीता-दर्पण। गीता-माधुर्य।** साधकोंके प्रति। भगवत्प्राप्ति सहज है।

२०४३ अच्छे बनो। भगवत्प्राप्तिकी सुगमता। वास्तविक सुख।

२०४४ स्वाधीन कैसे बनें? कर्म-रहस्य। साधकोंके लिये (विकारोंसे छूटनेका साधन)।

२०४६ गृहस्थमें कैसे रहें? सत्संगका प्रसाद। महापापसे बचो। दहेज-प्रथासे हानि।

२०४७ गुरु-तत्त्व [सच्चा गुरु कौन?]। आवश्यक शिक्षा। नाम-जपकी महिमा। मूर्तिपूजा। दुर्गतिसे बचो। सन्तानका कर्तव्य। आहार-शुद्धि। सच्चा आश्रय। सहज साधना। नित्ययोगकी प्राप्ति।

२०४८ हम ईश्वरको क्यों मानें? वासुदेवः सर्वम्। साधन और साध्य। कल्याणकारी उपदेश [कल्याण-पथ]। नित्य-स्तुति। घोर पाप मत करो।

२०४९ मातृशक्तिका घोर अपमान। जिन खोजा तिन पाइया। किसानोंके लिये शिक्षा। तत्त्वज्ञान कैसे हो?

२०५० गीता-ज्ञान-प्रवेशिका (नवीन संस्करण)। भगवान् और उनकी भक्ति।

२०५१ जित देखूँ तित तू। गृहस्थोंके लिये। देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम।

२०५२ सब जग ईश्वररूप है।

२०५३ आवश्यक चेतावनी [यह विकास है या विनाश? जरा सोचिये]। मनुष्यका कर्तव्य [हम कहाँ जा रहे हैं? विचार करें]। सार-संग्रह। संकल्प-पत्र। **साधन-सुधा-सिन्धु**। अमरताकी ओर। अलौकिक प्रेम। सत्संगके अमृत-कण। भक्तके उद्गार। गायकी महत्ता और आवश्यकता।

२०५४ साधक-संजीवनी परिशिष्ट (सातवाँ अध्याय)। अमृत-बिन्दु। साधक-संजीवनी परिशिष्ट (अध्याय ७ से १२)।

२०५५ साधक-संजीवनी परिशिष्ट (अध्याय १३ से १८)। साधक-संजीवनी परिशिष्ट (अध्याय १ से ६)। सत्संग-मुक्ताहार। मुक्तिमें सबका अधिकार।

२०५६ **साधक-संजीवनी परिशिष्ट**। सत्यकी खोज। सत्यकी स्वीकृतिसे कल्याण। क्या गुरु बिना मुक्ति नहीं? आदर्श कहानियाँ।

२०५७ प्रश्नोत्तरमणिमाला। शिखा (चोटी)-धारणकी आवश्यकता। परमविश्रामकी प्राप्ति। मेरे तो गिरधर गोपाल। कल्याणके तीन सुगम मार्ग। प्रेरक कहानियाँ।

२०५८ तू-ही-तू।

२०५९ सब साधनोंका सार। एक नयी बात। परमपितासे प्रार्थना। **मानवमात्रके कल्याणके लिये**। संसारका असर कैसे छूटे?

२०६० साधनके दो प्रधान सूत्र। ज्ञानके दीप जले।

२०६१ **गीता-प्रबोधनी**।

२०६२ सत्संगके फूल।

२०७६ **साधन-सुधा-निधि।**

× × ×

२०६२ सन्त-उद्गार। एक सन्तकी वसीयत।

२०६३ सागरके मोती।

२०६४ सन्त-समागम।

२०६५ एक सन्तकी अमूल्य शिक्षा।

२०६६ स्वातिकी बूँदें। ज्ञानकी पगडण्डियाँ।

२०६७ गोरक्षा—हमारा परम कर्तव्य। अनुभव-वाणी। **संजीवनी-सुधा**। सीमाके भीतर असीम प्रकाश।

२०६८ **हे नाथ! मैं आपको भूलूँ नहीं!** बिन्दुमें सिन्धु। सहज गीता। कृपामयी भगवद्गीता। लक्ष्य अब दूर नहीं।

२०६९ सहज समाधि भली। नये रास्ते, नयी दिशाएँ। अपने प्रभुको पहचानें। अनुभव-वाणी (अँग्रेजी-अनुवादसहित)। एक सन्तकी अमूल्य शिक्षा (संवर्धित)। विलक्षण सन्त, विलक्षण वाणी। गोरक्षा—हमारा परम कर्तव्य (संवर्धित)

२०७० अनन्तकी ओर। सन्तवाणी (प्रथम शतक)। सन्तवाणी (द्वितीय शतक)।

२०७१ **रहस्यमयी वार्ता। मेरे नाथ! मेरे प्रभो! जीवन्मुक्तिके रहस्य।**

२०७२ यह कलियुग है! मैं नहीं, मेरा नहीं।

२०७३ बन गये आप अकेले सब कुछ।

२०७४ ईस्वर अंस जीव अबिनासी।

२०७५ पायो परम बिश्रामु। सर्वोपरि साधन—शरणागति।

२०७६ **साधन-सुधा-निधि**। परमप्रभु अपने ही महुँ पायो।

२०७७ मामेकं शरणं व्रज। **सत्संग-सुधा-सागर**। पंचामृत। सत्संगके अमृत-कण। **कल्याणकारी सन्तवाणी**।

२०७८ सत्संगका चमत्कार।

२०७९ भक्ति और वेदान्त। एक सन्तकी अमूल्य शिक्षा (संशोधित तथा संवर्धित)। जाग्रत्-सुषुप्ति।

२०८० सहजावस्था